तापमान
अधिकतम 32.8°C
न्यूनतम 14.6°C

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, सोमवार 26 अक्टूबर 2026

11 स्कूल में लगवाया 5 किलोवाट का सोलर पैनल



12 बिजली के लिए निगम करेगा 600 फीडरों की मरम्मत



खबर संक्षेप

बीएसटी कॉलोनी में दिनदहाड़े चोरी, जेवर नकदी व लैपटॉप ले गए



गन्नौर। बीएसटी कॉलोनी स्थित एक क्वार्टर में दिनदहाड़े चोरी होने का मामला सामने आया है। चोर घर से करीब 450 ग्राम चांदी के आभूषण, 20 हजार रुपये नकद और एक लैपटॉप चोरी कर ले गए। पीड़ित की शिकायत पर गन्नौर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव बजाना खुर्द निवासी सत्यवान ने बताया कि वह पिछले 22 वर्षों से गन्नौर की बीएसटी कॉलोनी में रह रहा है। 21 अक्टूबर को दोपहर करीब एक बजे उसके क्वार्टर में चोरी हो गई। सत्यवान ने बताया कि चोरी हुए सामान में करीब 450 ग्राम चांदी के आभूषण शामिल हैं। इनमें तागड़ी, पायल, चुटकी और चांदी के पांच सिक्के थे। इसके अलावा चोर 20 हजार रुपये नकद और लेनोवो कंपनी का एक लैपटॉप भी ले गए। पीड़ित ने अपने स्तर पर सामान की तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला।

भागराम ट्रस्ट का रक्तदान शिविर आज

गोहाना। भागराम ट्रस्ट सोमवार को अपना साप्ताहिक रक्तदान शिविर शहर में सोनीपत मोड के टी प्वाइंट पर स्थित भगवान परशुराम चौक में सुबह 9 बजे से दोपहर बाद 3 बजे तक लगाएगा। रक्तदान शिविर के मुख्य अतिथि समाजसेवी सुलतान सैनी होंगे, अध्यक्षता भागराम ट्रस्ट की अध्यक्ष उषा गंगनेजा करेंगी तथा मार्गदर्शन 237 बार के स्टार रक्तदाता सुरेंद्र विश्वास करेंगे।

एडीए में चयनित होने पर साहिल का किया स्वागत

गोहाना। शहर में ठसका रोड स्थित धानक समाज सुधार शिक्षा सभा द्वारा रविवार को साहिल मोहर को असिस्टेंट डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी (एडीए) चयनित होने पर सम्मानित किया गया। साहिल मोहर के साथ उनके पिता सदानंद मोहर को भी सम्मानित किया गया।सम्मान समारोह की अध्यक्षता सभा के अध्यक्ष सुरेश लाठ ने की। मंच संचालन रमेश देहराज ने किया। सतबीर ठेकेदार, नरेश धामड़, रमेश मोहर, राजवीर सिंह, विजय कुमार, रणबीर सिंह, सिकंदर मोहाना, कृष्ण वाल्मीकि, विजय निनानिया और दर्शन लाल मोहर ने भी साहिल मोहर को एडीए बनने पर सम्मानित किया।

बड़वासनी के पास ब्रेजा कार को वाहन ने मारी टक्कर, दो दोस्तों और महिला की मौत

■ शनिवार रात करीब 12:50 बजे हादसा, दस्तावेजों के आधार पर हुई मृतकों की पहचान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

गोहाना रोड पर गांव बड़वासनी के पास शनिवार देर रात ब्रेजा कार की अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार दो दोस्तों और एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना रात करीब 12.50 बजे जियो फिलिंग स्टेशन से आगे सीएनजी पंप के पास हुई। सूचना मिलने पर डायल 112 और सदर थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। कार में दो पुरुष और एक महिला के शव मिले। कार में मिले दस्तावेजों के आधार पर मृतकों की पहचान बड़वासनी निवासी तेजबीर (38), कृष्ण (37) और दिल्ली के गांव नंगली सकरावती निवासी स्वीटी (37) के रूप में हुई।

■ मृतकों की पहचान बड़वासनी निवासी तेजबीर, कृष्ण और दिल्ली के गांव नंगली सकरावती निवासी स्वीटी के रूप में हुई



परिजनों की शिकायत पर केस

पुलिस ने मृतक तेजबीर के चाचा की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार, तेजबीर के पिता सतबीर का निधन हो चुका है। तेजबीर का 10 साल का एक बेटा है और वह गाड़ियों की खरीद-फरोख्त का काम करते थे। उनकी गांव के ही कृष्ण से दोस्ती थी। कृष्ण केबल ऑपरेटर थे और उनके दो बच्चे हैं। शनिवार को तेजबीर की रिश्तेदार स्वीटी उनसे मिलने आई हुई थी। रात को तेजबीर और कृष्ण अपनी ब्रेजा कार में स्वीटी को दिल्ली छोड़ने के लिए निकले थे। आशंका है कि बड़वासनी से गोहाना की ओर जाते समय विपरीत दिशा से आए किसी वाहन ने उनकी कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है।

लहूलुहान हालत में मिले तीनों के शव, मशक्कत के बाद निकाले

हादसे की सूचना राहगीरों ने पुलिस को दी थी। डायल 112 की टीम और सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची तो कार दुर्घटनाग्रस्त हालत में मिली। कार के अंदर तीनों लहूलुहान अवस्था में मृत पड़े थे। पुलिसकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद शवों को बाहर निकाला और पहचान की कार्रवाई पूरी की। रात का समय होने के कारण घटनास्थल पर कोई प्रत्यक्षदर्शी नहीं मिला। पुलिस हादसे के कारणों और टक्कर मारकर फरार हुए वाहन का पता लगाने के लिए जांच कर रही है।

वाहन की तलाश में जुटी पुलिस

मृतक तेजबीर के चाचा रमेश की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। हादसे के संबंध में जांच की जा रही है। वाहन और उसके चालक का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।
-**भीम सिंह**, जांच अधिकारी, थाना सदर

सीएसआर के तहत दो मंजिला भवन का निर्माण, 10 बड़े कमरे होंगे तैयार

नागरिक अस्पताल में एक छत के नीचे बैठेंगे सीएमओ और 6 डिप्टी सीएमओ

» दिव्यांगों के लिए आरामदायक प्रतीक्षालय बनाने की योजना, एक माह में काम पूरा करने का लक्ष्य

» आपातकालीन कक्ष के पास दो नए पंजीकरण काउंटर बनेंगे, संख्या 4 से बढ़कर 6 होगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

नागरिक अस्पताल में स्वास्थ्य विभाग की प्रशासनिक व्यवस्थाओं को व्यवस्थित करने और दिव्यांगजनों को सुविधाएं उपलब्ध करवाने की दिशा में कदम उठाया जा रहा है। अस्पताल परिसर में जिला सिविल सर्जन (सीएमओ) कार्यालय के साथ दो मंजिला भवन का निर्माण करवाया जा रहा है। इसमें सीएमओ और छह उप सिविल सर्जन (डिप्टी सीएमओ) एक ही भवन में बैठ सकेंगे। इसके अलावा दिव्यांगजनों के लिए आरामदायक प्रतीक्षालय बनाने की भी योजना है, ताकि उन्हें मेडिकल जांच और प्रमाण पत्र बनवाने के लिए खुले में इंतजार न करना पड़े। वहीं, मरीजों की सुविधा के लिए आपातकालीन कक्ष के पास दो नए पंजीकरण काउंटर भी तैयार करवाए जा रहे हैं। दोनों निर्माण कार्य कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के तहत करवाए जा रहे हैं, जिससे सरकारी खजाने पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा।

फिलहाल जिला सिविल सर्जन डॉ. अलंकृता गेरा और उप सिविल सर्जन डॉ. तरुण यादव, डॉ. नीरज यादव, डॉ. स्वराज, डॉ. आशा सहरावत, डॉ. योगेश गोयल व डॉ. अनीता अलग-अलग स्थानों पर बैठकर स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं का कार्यभार संभाल रहे हैं। जगह की कमी के कारण कई अधिकारियों और उनके कर्मचारियों को एक ही कक्ष में बैठकर काम करना पड़ रहा है। नए भवन के तैयार होने के बाद अधिकारियों को एक स्थान पर बैठने की सुविधा मिलेगी, जिससे प्रशासनिक कार्यों के संचालन में भी सहूलियत होगी।



सोनीपत। नागरिक अस्पताल परिसर में सीएमओ कार्यालय के साथ निर्माणाधीन भवन।

हर बुधवार 370 से 400 दिव्यांग पहुंचते हैं नागरिक अस्पताल

नागरिक अस्पताल में प्रत्येक बुधवार को जिलेभर से करीब 370 से 400 दिव्यांग मेडिकल जांच करवाने और दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाने के लिए पहुंचते हैं। फिलहाल मेडिकल बोर्ड के पास उनके बैठने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। ऐसे में उन्हें गर्मी, सर्दी और बारिश के दौरान खुले में अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है। इस परेशानी को देखते हुए निर्माणाधीन भवन में दिव्यांगजनों के लिए पर्याप्त बैठने की व्यवस्था और आरामदायक प्रतीक्षालय तैयार करने की योजना है। इससे उन्हें मेडिकल जांच और प्रमाण पत्र संबंधी कार्यों के लिए अधिक सुविधाजनक माहौल मिल सकेगा। भवन में करीब 10 बड़े कमरे बनाए जा रहे हैं। इनमें मेडिकल बोर्ड की बैठकों के लिए भी एक कक्ष निर्धारित किया जाएगा।

काउंटर बढ़ने से मरीजों को मिलेगी राहत

अस्पताल में मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए पंजीकरण व्यवस्था का भी विस्तार किया जा रहा है। इसके लिए आपातकालीन कक्ष के पास दो नए पंजीकरण काउंटर बनाए जा रहे हैं। फिलहाल चार काउंटरों पर रोजाना करीब 1800 मरीजों का पंजीकरण होता है। कई बार मरीजों को लंबी कतारों में अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है। नए काउंटर शुरू होने के बाद पंजीकरण खिड़कियों की संख्या बढ़कर छह हो जाएगी। इससे मरीजों को पंजीकरण करवाने में राहत मिलने की उम्मीद है।



दोनों परियोजनाओं पर तेजी से चल रहा काम

स्वास्थ्य विभाग की ओर से दोनों परियोजनाओं के लिए निजी कंपनी से सीएसआर के तहत सहयोग लिया जा रहा है। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद भवन और पंजीकरण काउंटर स्वास्थ्य विभाग को सौंप दिए जाएंगे। विभाग का लक्ष्य है कि करीब एक माह में भवन का निर्माण पूरा हो जाए। इसके बाद यहां अधिकारियों के बैठने, दिव्यांगजनों के लिए प्रतीक्षालय और अन्य संबंधित व्यवस्थाओं की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में मदद मिलेगी

सीएसआर के तहत भवन और पंजीकरण काउंटर का निर्माण करवाया जा रहा है। इससे सरकारी खजाने पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाले बिना स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में मदद मिलेगी। निर्माण पूरा होने के बाद दोनों सुविधाएं स्वास्थ्य विभाग को सौंप दी जाएंगी। इसके बाद यहां संबंधित व्यवस्थाएं संचालित करने की रूपरेखा तैयार की जाएगी।
-डॉ. **अनीता**, उप सिविल सर्जन, सोनीपत

देश में खेल संस्कृति विकसित करना जरूरी : नीरज चोपड़ा

■ ओलंपियन का राई खेल विवि में अभिनंदन



राई। नीरज चोपड़ा के साथ डॉ. योगेश चंद्र और खिलाड़ी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ राई

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा का स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, राई में स्वागत किया गया। विश्वविद्यालय के अकादमिक मामलों के डीन प्रोफेसर (डॉ.) योगेश चंद्र ने उनका अभिनंदन किया और संस्थान के विकास तथा देश में खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

नीरज चोपड़ा ने हरियाणा के प्रति अपने जुड़ाव को व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश उनके लिए हमेशा खास रहेगा, क्योंकि उनके खेल सफर की शुरुआत यहीं से हुई थी। उन्होंने 'यूबीएस एथलेटिक्स किड्स कप' के माध्यम से अधिक से अधिक बच्चों को खेलों से जोड़ने और अगली पीढ़ी को प्रेरित करने पर जोर दिया। प्रोफेसर (डॉ.) योगेश चंद्र ने बताया कि विश्वविद्यालय में वर्तमान में 1,041 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय उभरती खेल प्रतिभाओं को जमीनी स्तर से लेकर उत्कृष्ट प्रतिस्पर्धी स्तर तक तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण मंच है। विश्वविद्यालय प्रशासन राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने तथा युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

देवीलाल कॉलोनी में सीवर लाइन की मांग



सोनीपत। देवीलाल कॉलोनी में स्थानीय लोगों ने जिला पार्षद एवं निगम पार्षद प्रतिनिधि संजय बड़वासनी को अपनी विभिन्न समस्याओं से अवगत करवाया। लोगों ने मांग की, कि रेड रोज वाली गली में सीवर बिछवाई जाए। कॉलोनी वासियों को बिना सीवर व्यवस्था के मजबूरन गड्ढा खोदकर दूषित पानी इकट्ठा करना पड़ रहा है। जिससे कई तरह बीमारियां फैलने की आशंका रहती है। सीवर के अभाव में कॉलोनी के कई लोग मलेरिया व अन्य बीमारियों से ग्रस्त हो चुके हैं। वहीं संजय बड़वासनी ने लोगों को आश्वासन दिया कि मामला प्रशासन के संज्ञान में लाकर जल्द लोगों की समस्या का समाधान करवाया जाएगा।

29 को सहकारिता मंत्री की कोठी का घेराव करने की तैयारी

शुगर मिल के बाहर अनिश्चितकालीन धरना जारी आज आगे की रणनीति के लिए जुटेंगे किसान

■ किसान मिल का टेंडर करवाने की कर रहे मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

कामी रोड स्थित सहकारी शुगर मिल के नवीनीकरण और गन्ने पेराई सत्र जल्द शुरू कराने सहित लंबित मांगों को पूरा करवाने के लिए भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के बैनर तले किसानों का अनिश्चितकालीन धरना रविवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। किसानों ने शुगर मिल प्रशासन को 28 अक्टूबर तक मांगें पूरी करने का अल्टीमेटम दिया। उन्होंने कहा कि मांगों का समाधान नहीं होने पर 29 को सहकारिता मंत्री की कोठी का घेराव करने की रूपरेखा तैयार की जाएगी। धरने पर सोमवार को काफी संख्या में गन्ना किसानों को जुटाने का निर्णय लिया है, ताकि आगामी रणनीति तय की जा सके। धरने की अध्यक्षता किसान नेता राजेंद्र सांगवान ने की। भाकियू (टिकैत) के जिला प्रधान वीरेंद्र पहल ने बताया कि शुगर मिल प्रशासन ने 26 तक टेंडर प्रक्रिया पूरी करने की तारीख घोषित की हुई है। ऐसे में किसानों की नजर इस प्रक्रिया पर टिकी है। किसानों ने मांग की, कि मिल का टेंडर जल्द कराया जाए, शुगर फेडरेशन के एमडी को पद से हटाया जाए, गन्ने को दूसरी मिल में नहीं भेजा जाए। किसानों का कहना है कि केवल टेंडर कराने से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि सभी मांगों पर कार्रवाई जरूरी है। किसानों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका धरना जारी रहेगा। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष बिजेंद्र मलिक, गन्नौर ब्लॉक उपाध्यक्ष मंजीत नांदल, बिजेंद्र आंतिल, राजबीर सहित अन्य मौजूद रहे।



सोनीपत। सहकारी शुगर मिल के बाहर धरने में नारेबाजी करते किसान।

सुविधाओं के नाम पर लाखों रुपये की कटौती का आरोप

धरने पर किसानों ने गन्ने की पेराई के दौरान सुविधाओं के नाम पर प्रति क्विंटल 50 पैसे की कटौती किए जाने का मुद्दा भी उठाया। किसानों का दावा है कि पिछले पेराई सत्र में इस मद में 10 लाख रुपये से अधिक की कटौती हुई थी, लेकिन इसके बावजूद मिल परिसर और आसपास सुविधाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं है। किसानों ने कटौती की राशि का पूरा हिसाब लिखित में देने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि हर साल किसानों से राशि काटी जाती है, लेकिन उसके अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जाती।

सोनीपत और जींद टीम ने झंझारा में रुकवाया बाल विवाह

गन्नौर। एमडीडी ऑफ इंडिया की सोनीपत और जींद टीम के संयुक्त प्रयासों से जींद जिले में एक बाल विवाह रुकवाया गया। एमडीडी आफ इंडिया की सोनीपत टीम को 23 अक्टूबर को जागरूकता अभियान के दौरान सूचना मिली कि गन्नौर ब्लाक के गांव झंझारा में एक नाबालिग लड़के का विवाह कराया जा रहा है। डा. राज सिंह सांगवान के निर्देश पर टीम ने जिला बाल विवाह निषेध अधिकारी, बाल कल्याण समिति, जिला बाल संरक्षण इकाई और थाना गन्नौर पुलिस को सूचित किया। बारात के जींद पहुंचने की जानकारी मिलने पर वहां की टीम को भी अलर्ट किया गया। सूचना पर जींद टीम लड़की के घर पहुंची, जहां बारात आ चुकी थी और विवाह की रस्में चल रही थीं। दोनों टीमों के संयुक्त प्रयासों से मौके पर हस्तक्षेप कर विवाह रुकवा दिया गया। जानकारी के अनुसार लड़की की उम्र 18 वर्ष पांच दिन और लड़के की उम्र करीब 19 वर्ष बताई गई। टीम के अनुसार, अगले दिन किशोर ने फोन पर कथित तौर पर कहा कि यदि लड़की का विवाह किसी अन्य व्यक्ति से कराया गया तो वह आत्महत्या कर सकता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सोनीपत टीम ने मामला अधिकारियों के सामने रखा।

सोनीपत के अजय गोयल बने एसो. के चेयरमैन

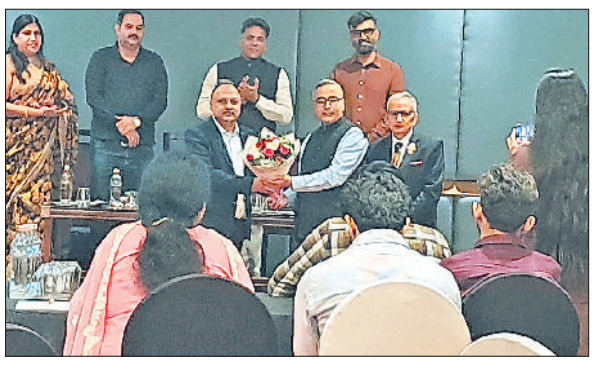
प्रदेश के स्कूलों में शुरू होगा 'चेस इन स्कूल' कार्यक्रम

■ हरियाणा चेस एसो. की जनरल बॉडी की बैठक में निर्विरोध चुनी गई नई कार्यकारिणी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

हरियाणा चेस एसोसिएशन की ओर से रविवार को गुरुग्राम में स्पेशल जनरल बॉडी की बैठक की गई। बैठक में एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का चुनाव निर्विरोध संपन्न हुआ। इस अवसर पर सोनीपत के अजय गोयल को 'चेस इन स्कूल' कार्यक्रम का चेयरमैन मनोनीत किया गया।

नवनियुक्त अजय गोयल ने बताया कि इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम का उद्देश्य पूरे प्रदेश के स्कूलों में शतरंज के प्रति जागरूकता बढ़ाना और विद्यार्थियों में तार्किक चिंतन, एकाग्रता, निर्णय क्षमता और समस्या समाधान जैसे कौशलों का विकास करना है।



सोनीपत। बैठक के दौरान मौजूद हरियाणा चेस एसोसिएशन के पदाधिकारी।

कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षा विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर शतरंज को स्कूलों के पाठ्यक्रम एवं शैक्षणिक गतिविधियों से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जाएगा। साथ ही विद्यार्थियों के लिए शतरंज प्रशिक्षण, कोचिंग और विभिन्न स्तरों पर प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाएगा। बैठक के दौरान अजय गोयल ने विभिन्न जिलों से आए सदस्यों के समक्ष कार्यक्रम की विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने योजना के उद्देश्यों, क्रियान्वयन की रूपरेखा और स्कूलों तक इसकी पहुंच सुनिश्चित करने के विभिन्न पहलुओं की जानकारी साझा की और सदस्यों से सुझाव आमंत्रित किए। इस दौरान ऑल इंडिया चेस फेडरेशन (एआईसीएफ) के अध्यक्ष नितिन नारंग, हरियाणा चेस एसोसिएशन के अध्यक्ष सौरभ जिंदल, चेयरमैन नरेश शर्मा और सचिव विष्णु कश्यप के नेतृत्व में इस पहल को सफल बनाने के लिए सदस्यों ने उत्साह व्यक्त किया।



खेलों में हरियाणा

भारतीय खेलों में हरियाणा का स्थान अत्यंत प्रमुख और अग्रणी है। देश की कुल आबादी का केवल लगभग 2 प्रतिशत हिस्सा होने के बावजूद, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के अधिकांश पदक इसी राज्य से आते हैं। ओलंपिक खेलों में भारत द्वारा जीते जाने वाले कुल पदकों में से आधे से अधिक पदक हरियाणा के खिलाड़ियों के नाम होते हैं। नीरज चोपड़ा, साक्षी मलिक, विनेश फोगाट, रवि कुमार दहिया और बजरंग पूनिया जैसे कई बड़े खिलाड़ियों का संबंध हरियाणा से है।

हरियाणवी लोकगीतों में राष्ट्रीय चेतना के स्वर

लोक की अनूठी संपदा लोकगीतों का कोई ओर-छोर नहीं है। लोक जहां बहता हुआ जल है, वहीं लोकगीत उसकी संस्कृति के प्राण हैं, जिनमें जीवंत लोक मानस बसता है। लोक मानस की सरलतम लयात्मक अभिव्यक्ति ही लोकगीत हैं, जिनमें लोक की आत्मा झंकृत होती है।



संस्कृति

सत्यवीर नाहड़िया



देश और दुनिया में अपनी स्वर्णिम सैनिक संस्कृति तथा समृद्ध शहादत परंपरा के लिए विख्यात वीरभूमि हरियाणा की अनूठी लोक संस्कृति में लोकगीतों का अपना विशिष्ट मौलिक महत्व है। जय जवान, जय किसान का प्रतिरूप यह सैन्य प्रदेश भले ही आबादी तथा क्षेत्रफल के आधार पर देश का दो फ़ीसदी के आसपास है, किंतु इसके समृद्ध सैन्य इतिहास का अंदाजा इस पहलू से लगाया जा सकता है कि भारतीय सेना में हर दसवां जवान हरियाणवी है। इसी प्रकार शहादत परंपरा में भी इस वीर प्रसविनी धरा ने उच्च आदर्श एवं कीर्तिमान स्थापित किए हैं। बात चाहे प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की रही हो या पहले व दूसरे विश्व युद्ध की, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद राष्ट्रव्यापी संघर्ष की रही हो या फिर आजादी प्राप्ति के बाद भारत-चीन की 1962, भारत-पाक के बीच 1965, 1971 व 1999 की लड़ाइयों की रही हो या फिर विभिन्न शांति ऑपरेशंस की हो, हरियाणा के रणबांकुरों ने अपने बलिदान एवं अदम्य साहस से निरंतर इतिहास लिखा है। इस माटी के लोकगीतों में राष्ट्रीय चेतना की इस भावभूमि को सहज ही महसूस किया जा सकता है।

लोकगीत लोक के गीत होते हैं, लोक मानस के गीत, जनमन के गीत, जिनमें लोकाचार लोक विश्वास, लोक परंपराएं, लोकजीवन, लोक मूल्य तथा इन सबसे जुड़ी विस्तृत सांस्कृतिक पृष्ठभूमि अंतर्निहित होती है। यही कारण है कि लोकगीतों का अपना ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, नैतिक तथा मनोवैज्ञानिक महत्व होता है। लोक की अनूठी संपदा लोकगीतों का कोई ओर-छोर नहीं है। लोक जहां बहता हुआ जल है, वहीं लोकगीत उसकी संस्कृति के प्राण हैं, जिनमें जीवंत लोक मानस बसता है। लोक मानस की सरलतम लयात्मक अभिव्यक्ति ही लोकगीत हैं, जिनमें लोक की आत्मा झंकृत होती है। लोकगीतों के रचनाकार तथा रचना स्थल निर्धारित नहीं होते, क्योंकि वे किसी रचनाकार विशेष की संपदा न होकर समूचे लोक की अनूठी विरासत होते हैं। हरियाणा के लोकगीतों का फलक बेहद विस्तृत व समृद्ध रहा है, किंतु इस आलेख में हम संक्षिप्त एवं प्रतीक रूप में केवल राष्ट्रीय चेतना से जुड़े लोकगीतों की चर्चा करेंगे।

घर-घर फौजी वाले हरियाणा प्रदेश के चप्पे-चप्पे में शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों, जांबाज सैनिकों के अनूठे बलिदान शौर्य और त्याग की मार्मिक कहानी व्याप्त है। आजादी से पहले तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हरियाणा की सैन्य परंपरा ने देश व प्रदेश के सैनिक इतिहास को निरंतर समृद्ध करते हुए अनेक स्वर्णिम अध्याय लिखे हैं,जिसके चलते हरियाणा प्रदेश तथा सैन्य परंपरा एक दूसरे के पर्याय बन गए हैं। इन तमाम तत्वों एवं पहलुओं की पृष्ठभूमि को हरियाणा प्रदेश के लोकजीवन के संस्कारों तथा इन्हीं विषयों पर केंद्रित लोकगीतों से बखूबी समझा जा सकता है। इस वीर प्रसूता धरा के लोकगीतों में कहीं फौज में भर्ती होने की प्रेरणा है, तो कहीं कुल की आन निभाने का संकल्प, कहीं विरह वेदना के मार्मिक शब्दचित्र हैं, तो कहीं शहादत का भावपूर्ण मार्मिक चित्रण। इन लोकगीतों के माध्यम से एक ओर जहां सैनिक परिवार की भावभूमि अक्षरशः चित्रित हुई है, वहीं सैनिक की अर्धांगिनी की सूक्ष्म मानवीय संवेदनाओं और गृह वेदना से जुड़े बहुआयामी पक्षों का जीवंत वर्णन मुखरित हुआ है। इन लोकगीतों की सबसे बड़ी खूबी है कि इनमें किसानी संस्कृति में रचे-बसे सैनिक परिवारों के संघर्ष की प्रेरक गाथा के साक्षात दर्शन होते हैं, जिसके चलते राष्ट्रीय चेतना पर केंद्रित हरियाणवी लोकगीतों को देश व प्रदेश की अनमोल थाती कहा जा सकता है। हरियाणा प्रदेश में देशभक्ति तथा वीरता के संस्कार मां द्वारा घुट्टी में ही दे दिए जाते हैं। यही कारण है कि सैनिक प्रदेश में युद्ध के लिए घर से विदा होते पति की अर्धांगिनी खुद भी बॉर्डर पर चलने की जिद करती है, एक चर्चित लोकगीत में यह भावभूमि कुछ इस प्रकार है-

खाकी बड़दी पहर लई मनै, कर लिया हार सिंगार।
फौज म्हं चालूंगी ओ पिया, ले सारे हथियार।।

इसी प्रकार एक अन्य लोकगीत में नवविवाहिता को विरह वेदना में छोड़कर फौज में भर्ती होने वाले नौजवान पति के प्रति उसकी मार्मिक भावनाएं मुखरित हुई हैं-

हे री मेरी गळ की गळसरी बेच, पति नै घोड़ा ले लिया हे..!
वो तै दूर गया बेपरीता, जाय अंबाळा पोहंचा हे...
उनै गेरा जुबानी तार, माता ए हम तै भरती हो लिया हे..
मेरी सासू बुज्झै बात- बहू तेरा के के लेग्या हे...?
हे मेरा लेग्या हारसिंगार, चैन तै सारा लेग्या हे...

इन लोकगीतों के माध्यम से एक ओर जहां सैनिक परिवार की भावभूमि अक्षरशः चित्रित हुई है, वहीं सैनिक की अर्धांगिनी की सूक्ष्म मानवीय संवेदनाओं और गृह वेदना से जुड़े बहुआयामी पक्षों का जीवंत वर्णन मुखरित हुआ है। इन लोकगीतों की सबसे बड़ी खूबी है कि इनमें किसानी संस्कृति में रचे-बसे सैनिक परिवारों के संघर्ष की प्रेरक गाथा के साक्षात दर्शन होते हैं, जिसके चलते राष्ट्रीय चेतना पर केंद्रित हरियाणवी लोकगीतों को देश व प्रदेश की अनमोल थाती कहा जा सकता है। हरियाणा प्रदेश में देशभक्ति तथा वीरता के संस्कार मां द्वारा घुट्टी में ही दे दिए जाते हैं। यही कारण है कि सैनिक प्रदेश में युद्ध के लिए घर से विदा होते पति की अर्धांगिनी खुद भी बॉर्डर पर चलने की जिद करती है।

दिन की लेग्या भूख, रात की निंदिया लेग्या हे...
मेरा लेग्या हँसना-सुभाव, मनै उदासी दे गया हे...!!

हरियाणा प्रदेश में पड़ोसी देशों के साथ हुए युद्धों पर भी कुछ लोकगीत प्रकाश में आए हैं। एक लोकगीत में एक बहन अपने फौजी भाई से युद्ध में पीछे कदम न हटाने की बात कहकर जोश भरती है -

पापी दुसमन खड्या पहाड़ सा,खड्या-खड्या सब लुट्टै सै...!
म्हारे देस पै हमला कर दिया पापी पाकिस्तान नै..!
मत उलटा हटाइए रै, ओ माँ के जाए बीर...!!

हरियाणा प्रदेश में आर्य समाज का अच्छा खासा प्रभाव रहा है, जिसके चलते यहां के लोकगीतों में आर्य समाज से जुड़ी भावभूमि, राष्ट्रीयता तथा संस्कारों की भावना देखी जा सकती है-

आओ भाणो मिलकै सारी दयानंद की जै बोल्लो...!
आर्य समाज में आया करो, थम धक्के खाती मत डोल्लो...!
देस का मन बढ़ाणा सीखो,
पढ़णा और पढ़ाणा सीखो,
देस-धरम हो सबतै पहलम,
बच्चां नै समझाणा सीखो।
बलिदान नै सीस नवावो,
नहीं भूलकै कम तोल्लो..!
आओ भाणो मिलकै सारी,
दयानंद की जै बोल्लो...!!

इस सैनिक संस्कृति तथा सामाजिक क्रांति की अलख के अलावा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस आदि से से जुड़े अनेक लोकगीत राष्ट्रीय चेतना के पर्याय कहे जा सकते हैं।

हरियाणा के लोकगीतों में शहादत के बेहद मार्मिक पक्ष भावविभोर कर देते हैं। राष्ट्रीय चेतना के सच्चे संवाहक इन लोकगीतों से हरियाणा की वीरभूमि की कुर्बानियों का मर्म सहज ही समझा जा सकता है। एक ऐसे ही लोकगीत की बानगी-

वा काढ़ जनाना,ले मर्दाना,हुई सीम की राही।
बाबूजी मनै पिया मिला दे,सूरत सिंह की ब्याही।
ऐ रोवा मत ना बेटी बावळी, रोया ना करिए। जिसकी खूज्या चीज रेत म्हं,टोह्या ना करिए।
क्यूं ना टोहूं चीज रेत म्हं,हिंद पै ज्यान गँवाई..!
क्यूंकर सबर करूं बाबूजी,सगी नणद का भाई...!!

कुल मिलाकर ऐसे सैकड़ों लोकगीत हरियाणा प्रदेश की सैन्य संस्कृति तथा शहादत परंपरा के प्रमाण होने के साथ पीढ़ी दर पीढ़ी राष्ट्रीय चेतना के अनूठे माध्यम बनाकर इस वीर भूमि की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करते आ रहे हैं। राष्ट्रीय चेतना के पक्षधर, पोषक व सजग प्रहरी इन अनमोल लोकगीतों पर अभी बहुत कार्य होना बाकी है।

जरूरत इस बात की है कि हरियाणा प्रदेश के राष्ट्रीय चेतना पर आधारित ऐसे सभी लोकगीतों को एकत्रित कर उन पर शोध कार्य करते हुए प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु कार्य किया जाए।

कविता

सुधीर ढांडा



बँधी हो जैसे डोर तै पतंग

तू सै मेरे दिल की उमंग,
बँधी हो जैसे डोर तै पतंग,
साँसे तेरी महकती ऐसे,
जैसे फैली सै हवा मै तरंग।

कमर तेरी यूँ बल खावै ,
जैसे लहरावै खेत मै भुजंग।
मुँह बटवा सा, नाक सुवा सा ,
हो नै जावै तेरी किसे तै जंग।

आँख याँ तेरी मोटी मोटी,
हो जैसे कोई डूंगी सुरंग।
सम्भल कर निकलणा घर तै,
कदे पाछै पड़ जै कोई मलंग।

हर मोड़ मै इब रावण खडे सै,
कर देवेंगे तैनै आँदी जांदी नै तंग।
पता नी कितने होए सै घायल,
देख कै तेरा यूँ सांवला रंग।

हेमा, रेखा, काजल, सब फीकी पड़गी,
देख कै तेरे इस फैशन का ढंग।
क्यूँ भटकै सै छोरी तू इधर उधर,
जोड़ी बणा ले सुधीर कौल के संग

गीत

दलबीर 'फूल'



बचाल्यो हरियाणा रै

या पछवा बाळ करै कमाल, लेकै खास उडारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी

हरियाणा के जमिंदार सदा मसत रहया करते
सरदी, गरमी, बरसा सारी तन पै सहया करते
मुहंकै ऊप्पर साच्ची-साच्ची बात कहया करते
मात पिता गुरुजनों की सदा सीख लहया करते
आदर मान उड़ा लेग्यी ईब चालैं तेग दुधारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी..1

मंहगाई सिर चढकै बोल्ली ना कोय भी मोल रहे
डब्बा बंध पैकिंग होग्यी ना पहले आळे तोल रहे
भाई-भाई इब दुश्मन होग्ये नही प्यार के बोल रहे
दामण चीर ओढणा आंगी ना पांया मैं रमझोळ रहे
ना वो नेजू डोल रहये ना कूवे की पणिहारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी...2

फागण के मैं गाई जा वो धमाल ना रही
लहरा बीन किलांट की सुर ताल ना रही
पिच्चू, पींहल, खूग्यी सारी, वो जाळ ना रही
सस्ता भोजन गरीब की वो दाळ ना रही
सटाल ना रही वो पिछली, बदल गये पंसारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी..3

बड़ पिपळ मैं घाल पींघ छोहरी पींघ चढाया करती
सखी सहेली मिलकै सिंझया झोड़ तिराया करती
सुहाग भाग की खात्यर सब कात्यक नहाया करती
मेरा नो डाण्डी का बीजणा लोक गीत गाया करती
ईब गावैं सीला की जवानी ईलू - ईलू कवांरी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी...4

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

विरासत

हमारी रसोई का पारंपरिक बर्तन हुआ करती थी ग्रामीण जीवन की एक भूली-बिसरी पहचान

पलिया : दूध की हर बूंद का हिसाब रखने वाला पारंपरिक बर्तन



जनजीवन

रवि यादव

कभी गांव के कच्चे घरों की दीवारों पर टंगी छोटी-बड़ी वस्तुएं केवल घरेलू सामान नहीं हुआ करती थीं, बल्कि वे हमारी जीवनशैली, परंपराओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की जीवंत गवाह भी थीं। ऐसी ही एक वस्तु है पळिया, जिसे हरियाणा के अलग-अलग क्षेत्रों में पला, पळि या पळिया जैसे नामों से जाना जाता रहा है।

बिना लिपाई-पुताई वाली किसी कच्ची दीवार में गाड़ी गई कील पर टंगा यह छोटा-सा धातु का बर्तन आज भले ही सामान्य लगे, लेकिन चार-पांच दशक पहले ग्रामीण जीवन में इसका विशेष महत्त्व हुआ करता था। चालीस-पचास वर्ष की आयु पार कर चुके लोगों के लिए यह बर्तन बचपन की उन स्मृतियों को ताजा कर सकता है, जब घर में दूध की कढ़ावनी चढ़ती थी और परिवार के प्रत्येक सदस्य तक दूध पहुंचाने की जिम्मेदारी घर की बुजुर्ग महिलाओं के कंधों पर होती थी।

पशुधन और दूध से जुड़ा था ग्रामीण जीवन

चार-पाँच दशक पहले हरियाणा के अधिकांश ग्रामीण परिवारों की दिनचर्या खेती और पशुपालन के इर्द-गिर्द घूमती थी। गाय, भैंस और बैल केवल पशु नहीं, बल्कि परिवार की आर्थिक व्यवस्था का महत्त्वपूर्ण हिस्सा हुआ करते थे। घर में दुधारू पशु होना समृद्धि और आत्मनिर्भरता का प्रतीक माना जाता था। सुबह-शाम दूध दुहना, उसे गर्म करना, बच्चों को पिलाना, दही जमाना, मक्खन निकालना और घी तैयार करना ग्रामीण महिलाओं की नियमित दिनचर्या में शामिल था। घर का दूध, घर का दही और घर का घी परिवार की जरूरतों को पूरा करते थे। इसी दूध-केंद्रित घरेलू व्यवस्था में पळिया जैसे छोटे बर्तन की अपनी उपयोगिता थी।

बड़े कुनबे और माताओं का अपना गणित

उस समय परिवार बड़े हुआ करते थे। एक ही घर में दादा-दादी, माता-पिता, चाचा-चाची और कई बच्चे साथ रहते थे। रसोई की जिम्मेदारी मुख्य रूप से महिलाओं के पास होती थी। परिवार के प्रत्येक सदस्य की जरूरत का ध्यान रखना आसान काम नहीं था। सीमित साधनों के बावजूद घर की बुजुर्ग महिलाएं अपने अनुभव और समझ से पूरी व्यवस्था संभालती थीं। वे अनपढ़ भले ही रही हों, लेकिन घरेलू प्रबंधन में उनका अनुभव किसी गणितज्ञ से कम नहीं था। किस बच्चे को कितना दूध देना है, किसके लिए रोटी बचाकर रखनी है और सुबह के दूध में से शाम तक की जरूरत कैसे पूरी करनी है, इसका हिसाब उन्हें अच्छी तरह मालूम रहता था। न कोई लिखित सूची, न कोई कैलकुलेटर और न ही माप-तौल के आधुनिक उपकरण। अनुभव ही उनका सबसे बड़ा ज्ञान था। ऐसे ही घरेलू गणित को आसान बनाने में पळिया महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता था। यह केवल दूध निकालने का साधन नहीं था, बल्कि बड़े परिवार की रसोई व्यवस्था का एक उपयोगी हिस्सा था। ग्रामीण घरों में दूध गर्म करने के लिए प्रायः



मटकेनुमा कढ़ावनी का इस्तेमाल किया जाता था। इसे चूल्हे या हारे में रखकर दूध गर्म किया जाता था। रात को जब चूल्हे पर रोटियां बनतीं, तब घर के बच्चों को खाना खिलाने का क्रम शुरू होता था। उस समय आज की तरह हर घर में अनेक प्रकार की सब्जियां और व्यंजन बनाने का चलन सामान्य नहीं था। रोटी, दूध, दही, छाछ और घर में उपलब्ध दूसरी चीजें ही भोजन का आधार होती थीं। कढ़ावनी से सीधे दूध निकालना सुविधाजनक नहीं था। उसका आकार और गर्मी, दोनों ही इस काम को कठिन बना सकते थे। ऐसे में पळिया काम आता था। इसकी बनावट कुछ ऐसी होती थी कि इसे कढ़ावनी में डालकर दूध निकाला जा सकता था। इसकी लंबी डंडी पकड़ने में सहायक होती थी और हाथ को गर्म बर्तन की आंच से अपेक्षाकृत दूर रखती थी। घर की बुजुर्ग महिला पळिया को पकड़कर कढ़ावनी में डालती, दूध निकालती और फिर परिवार के सदस्यों के बर्तनों में उनकी आवश्यकता के अनुसार दूध डाल देती।

दूध मापने का देसी तरीका

पळिया की उपयोगिता का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष यह भी था कि उससे दूध की मात्रा का अनुमान लगाना आसान हो जाता था। आकार के अनुसार एक बार में पाव भर या उससे कुछ कम-ज्यादा दूध निकाला जा सकता था। यह मात्रा बर्तन के आकार पर निर्भर करती थी। इस प्रकार घर में दूध बाँटने के लिए अलग-अलग माप के उपकरणों की आवश्यकता नहीं पड़ती थी। आज बाजार में दूध मापने के लिए विभिन्न प्रकार के मापक बर्तन और आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं, लेकिन उस समय घरेलू जरूरतों के लिए पळिया जैसा साधन ही पर्याप्त था।

दूध तक सीमित नहीं था इसका उपयोग

पळिया का इस्तेमाल केवल दूध निकालने के लिए ही नहीं होता था। इसकी लंबी डंडी और छोटी कटोरीनुमा बनावट इसे दूसरे घरेलू कामों के लिए भी उपयोगी बनाती थी। थोड़ी-सी मात्रा में सरसों का तेल गर्म करना हो या दीपक की ज्योत जलाने के लिए घी गर्म करना हो, ऐसे अवसरों पर भी इसका प्रयोग किया जा सकता था। उस दौर में घरों में हर काम के लिए अलग-अलग बर्तन उपलब्ध नहीं होते थे। उपलब्ध वस्तुओं का अधिकतम उपयोग करना ग्रामीण जीवन की विशेषता थी। किसी बर्तन को बेकार छोड़ने के बजाय उससे कई तरह के काम लिए जाते थे। पळिया भी इसी उपयोगितावादी सोच का हिस्सा था।

लोहारों की आजीविका का साधन

पळिया हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था के उस स्वरूप की भी याद दिलाता है, जिसमें गाँव के अलग-अलग कारीगर एक-दूसरे की जरूरतें पूरी करते थे। लोहार लोहे के औजार और घरेलू उपयोग की वस्तुएँ बनाते थे। कुछ क्षेत्रों में पळिया लोहे के अलावा पीतल या अन्य धातुओं से भी बनाया जाता था। लोहारिन गाँवों में अपने हाथों से बनाए बर्तन और दूसरी वस्तुएं बेचने आती थीं। इस तरह श्रम, कौशल और घरेलू जरूरतों के बीच एक पारस्परिक संबंध बना हुआ था।

विरासत को सहेजना जरूरी

हमारी ग्रामीण विरासत केवल हवेलियों, पुराने कुओं, तालाबों और ऐतिहासिक इमारतों तक सीमित नहीं है। रसोई के पुराने बर्तन, खेती के औजार, पशुपालन में काम आने वाली वस्तुएँ और घरों में प्रयोग होने वाले पारंपरिक उपकरण भी हमारी सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा हैं। पळिया जैसी वस्तुओं को सहेजने का अर्थ केवल पुराने बर्तनों को जमा करना नहीं, बल्कि उस जीवन-पद्धति को समझना है जिसमें कम साधनों में अधिक काम किया जाता था। इनके माध्यम से नई पीढ़ी जान सकती है कि हमारे पूर्वज किस प्रकार अपनी आवश्यकताओं को पूरा करते थे, स्थानीय कारीगरों की क्या भूमिका थी और परिवार तथा पशुधन एक-दूसरे से किस प्रकार जुड़े हुए थे।

अभिषेक पंडित ने बैकग्राउंड म्यूजिक से बनाई विशेष पहचान



कलाकार

पुनित शर्मा



अभिषेक पंडित भारतीय संगीत जगत के एक प्रतिष्ठित पार्श्व संगीत निर्माता, संगीतकार और साउंड इंजीनियर हैं। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में जन्मे अभिषेक की प्रारंभिक शिक्षा वहीं हुई तथा उन्होंने राजस्थान बोर्ड से 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। बचपन से ही उनकी रुचि संगीत में थी और वे पांचवीं कक्षा से ही तबला बजाने लगे थे। हालांकि उनके परिवार का संगीत से कोई दूर-दूर तक नाता नहीं था और माता-पिता चाहते थे कि वे पढ़ाई-लिखाई करके एक इंजीनियर बनें। इसके बावजूद अभिषेक ने अपने भीतर के जुनून का अनुसरण किया और संगीत को ही अपने जीवन का मुख्य लक्ष्य बनाने का निर्णय लिया।

पढ़ाई में भी वे काफी प्रतिभाशाली थे। 12वीं के बाद उन्होंने छत्तीसगढ़ में मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन में प्रवेश लिया। कॉलेज के इसी दौर में उन्होंने कीबोर्ड बजाना शुरू किया और विभिन्न मंचीय कार्यक्रमों (स्टेज शो) में सक्रिय रूप से भाग लेने लगे। छत्तीसगढ़ की समृद्ध और पुरानी संगीत परंपरा से जुड़कर उन्होंने वहां की स्थानीय संगीत इंडस्ट्री में एक कीबोर्ड प्लेयर के रूप में कार्य किया तथा अनेक लोकप्रिय गीतों की रिकॉर्डिंग में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस सफर के दौरान अभिषेक महान संगीतकार एवं गायक रवीन्द्र जैन को अपना आदर्श मानने लगे। वहीं उनके व्यक्तिगत गुरु के रूप में श्याम सारथी का मार्गदर्शन मिला, जो छत्तीसगढ़ फिल्म उद्योग में एक संगीत निर्देशक थे। उन्होंने प्रसिद्ध संगीतकार जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल के साथ गिटार वादन कर चुके रुपेंद्र श्रीधर से भी संगीत की गहन तालीम हासिल की। इन सभी गुरुओं के सान्निध्य में रहकर उन्होंने बीजीएम निर्माण, म्यूजिक स्कोरिंग और इंस्ट्रूमेंट अरेंजमेंट की बारीकियों को समझा। उन्होंने लगभग दो वर्षों तक ओड़िया संगीत उद्योग में कार्य किया और कई फिल्मों के लिए ट्रैक तथा संगीत तैयार किए। इसी कार्य अनुभव के दौरान उन्हें यह अहसास हुआ कि आज के डिजिटल युग में तकनीकी ज्ञान होना भी उतना ही आवश्यक है। वर्ष 2003 से वे पेशेवर रूप से संगीत क्षेत्र में सक्रिय हो गए। कंप्यूटर और आधुनिक डिजिटल तकनीकों के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए उन्होंने साउंड इंजीनियरिंग सीखने का निर्णय लिया और इसके लिए चेन्नई चले गए। चेन्नई में उन्होंने टी. एन. दास के सहायक के रूप में कार्य किया, जहाँ उन्होंने ऑडियो रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग, साउंड डिज़ाइन और आधुनिक स्टूडियो सेटअप से जुड़ी तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। लगभग दो वर्षों तक चेन्नई में कड़ा प्रशिक्षण लेने के बाद उनकी पहली पेशेवर नौकरी गोरखपुर के एक म्यूजिक स्टूडियो में लगी। इसके बाद वे दिल्ली आ गए और वहां भी संगीत एवं ऑडियो प्रोडक्शन के क्षेत्र में अपनी सेवाएं दीं। कुछ समय पश्चात वे मुंबई पहुंच गए, जहाँ उन्हें एक प्रतिष्ठित ऑडियो कंपनी में

हरियाणा फिल्म उद्योग में "दिल हो गया लापता" से बीजीएम की शुरुआत करने के बाद अभिषेक पंडित ने चौधर 2, सेफ हाउस 2, छापा, घूंघट, कच्छाधारी और 15 दिन जैसी कई परियोजनाओं में संगीत दिया।

कार्य करने का अवसर मिला। मुंबई में रहते हुए उन्होंने साउंड इंजीनियरिंग संस्थानों में अध्यापन भी किया और कई फिल्मों की ऑडियो तथा बैकग्राउंड म्यूजिक परियोजनाओं में अपना योगदान दिया। अपने करियर के दौरान उन्होंने हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मराठी जैसी विभिन्न भाषाओं की फिल्मों में बीजीएम और साउंड डिज़ाइन का कार्य किया है। वर्ष 2014 में वे अपने गृह नगर अलीगढ़ लौटे। इसी दौरान उनके एक मित्र के माध्यम से उनकी मुलाकात रोहतक में फिल्म से जुड़े निर्देशक से हुई। इसी दौरान उनकी मुलाकात रोहतक में प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका और प्रोफेसर कविता सोभू से हुई। पहली ही मुलाकात में दोनों के बीच जुड़ाव हुआ और वर्ष 2016 में उनका विवाह संपन्न हुआ। हरियाणा के संगीत जगत में कविता सोभू का नाम बेहद आदर के साथ लिया जाता है; वे चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में संगीत विषय की प्रोफेसर हैं। विवाह के पश्चात कुछ समय के लिए अभिषेक वापस मुंबई चले गए, लेकिन नोटबंदी के बाद वे पुनः हरियाणा लौट आए।

हरियाणा में उन्होंने स्थानीय संगीत जगत को आधुनिक रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग और ऑडियो तकनीक से जोड़ने में योगदान दिया। उन्होंने कई स्टूडियो को तकनीकी मार्गदर्शन, सॉफ्टवेयर और आधुनिक सेटअप उपलब्ध कराने में सहयोग किया। हरियाणा फिल्म उद्योग में "दिल हो गया लापता" से बीजीएम की शुरुआत करने के बाद अभिषेक पंडित ने "चौधर 2", "सेफ हाउस 2", "छापा", "घूंघट", "कच्छाधारी" और "15 दिन" जैसी कई परियोजनाओं में संगीत दिया। अब तक वे लगभग 18 फिल्मों और वेब सीरीज़ के लिए संगीत दे चुके हैं। उनकी सफलता के पीछे वर्षों का संघर्ष रहा। आर्थिक कठिनाइयों के बीच उन्होंने दिल्ली में बैंड और चेन्नई के पार्क होटल में डीजे के रूप में काम किया। वर्तमान में वे हरियाणा के जींद में अपने स्वयं के स्टूडियो का संचालन कर रहे हैं।

कैबिनेट मंत्री कृष्णलाल पंवार ने हरसाना कलां में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की

सरकार का उद्देश्य गांवों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाना और ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार लाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

प्रदेश के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्णलाल पंवार ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास, किसानों की खुशहाली, युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार का उद्देश्य प्रत्येक गांव में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाना और ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार लाना है। गांव हरसाना कलां के ग्रामीणों की भावनाओं और मांगों का सम्मान किया जाएगा। ग्रामसभा से प्रस्ताव प्राप्त होने के बाद नगर निगम में शामिल करने की नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी।

कैबिनेट मंत्री कृष्णलाल पंवार ने रविवार को गांव हरसाना कलां में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उन्होंने ग्रामीणों की मांगों को गंभीरता से सुना और प्रदेश सरकार की ओर से ग्रामीण विकास के लिए किए जा रहे कार्यों एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। कृष्णलाल पंवार ने कहा कि प्रदेश के सभी गांव की फिरनियों पर स्ट्रीट लाइट लगवाई जाएंगी। अब तक 908 गांवों की फिरनियों पर स्ट्रीट लाइट लगाई जा चुकी हैं और 500 गांव में कार्य चल रहा है। स्ट्रीट लाइट लगाने के इस कार्य में 175 करोड़ रुपये की लागत आएगी। सरकार का लक्ष्य है कि गांवों में बेहतर रोशनी की व्यवस्था हो और ग्रामीणों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण मिले। सरकार ने भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और योग्यता को प्राथमिकता दी है। अब तक 2 लाख युवाओं को बिना खर्ची, बिना पर्ची योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरी देने का कार्य किया है। पात्र महिलाओं को लाडो लक्ष्मी योजना का लाभ पहुंचाने के लिए योजना के तहत 1.80 लाख वार्षिक आय वाले परिवारों को शामिल किया है। आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र परिवारों को 5 लाख रुपये तक के स्वास्थ्य कवर की सुविधा मिलती है। कार्यक्रम में राई से विधायक कृष्णा गहलावत, सोनीपत विधायक निखिल मदान, खरखौदा विधायक पवन खरखौदा, नगर निगम मेयर राजीव जैन, सुमित्रा जागलान, बबीता दहिया, गांव के सरपंच जगबीर मौजूद रहे।



सोनीपत। गांव हरसाना कलां में आयोजित कार्यक्रम में मंच पर मौजूद विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्णलाल पंवार, सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन मोहनलाल बड़ौली, विधायक निखिल मदान, पवन खरखौदा, मेयर राजीव जैन व अन्य। **फोटो : हरिभूमि**

996 गांवों में अटल पुस्तकालय, 427 में इंडोर जिम स्थापित

कृष्णलाल पंवार ने कहा कि अब तक 996 गांव में 75 करोड़ रुपये की लागत से अटल पुस्तकालय स्थापित किया जा चुके हैं। इस वित्तीय वर्ष में 1000 नए अटल पुस्तकालय स्थापित करने का कार्य प्रगति पर है। इससे युवाओं को पढ़ने की सुविधा मिलेगी। ग्रामीण युवाओं को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए इंडोर जिम स्थापित किए जा रहे हैं। अब तक 427 गांवों में लगभग 28 करोड़ रुपये की लागत से इंडोर जिम स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि दूसरे चरण में 234 गांवों को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा प्रत्येक गांव में महिला सांस्कृतिक केंद्र स्थापित करने की योजना पर काम जारी है। 647 गांवों में यह केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। योग और व्यायाम के लिए 1025 गांवों में व्यायामशालाएं स्थापित हो चुकी हैं, जिन पर लगभग 411 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। ग्राम सचिवालयों का भी विस्तार किया जा रहा है। गांवों के विद्यार्थियों, विशेषकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए ई-लाइब्रेरी स्थापित करना भी सरकार की प्राथमिकता है।

किसानों की खुशहाली के लिए अनेक योजनाएं

पंचायत मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से प्रदेश के लाखों किसानों को आर्थिक सहायता दी जा रही है। फसल खराब होने की स्थिति में किसानों को राहत देने, पशुपालकों को आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने और किसानों को वैकल्पिक खेती के लिए प्रोत्साहित करने के लिए भी विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। पशु किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत लगभग 2 लाख पशुपालकों को 3,449 करोड़ रुपये का लाभ दिया गया है।प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसल नुकसान की भरपाई के लिए सहायता प्रदान की गई है। धान के स्थान पर अन्य फसलें उगाने वाले पात्र किसानों को 8 हजार प्रति एकड़ आर्थिक प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

मांगों को पूरा करवाने का आश्वासन

मंत्री कृष्णलाल पंवार ने गांव हरसाना कलां में ग्रामीणों की ओर से रखी गई विकास संबंधी 11 मांगों को पूरा करवाने का आश्वासन दिया। उन्होंने गांव में 3 विकास कार्यों के लिए तैयार किए गए कुल 1 करोड़ 40 लाख 29 हजार रुपये के एस्टीमेट को मंजूरी देने की घोषणा की। साथ ही गांव में गंदे पानी की निकासी, इंडोर स्टेडियम, गलियों के निर्माण, फिरनी, चौपालों की मरम्मत, पेयजल व्यवस्था और सरकारी स्कूलों में आवश्यक कार्य करवाने के लिए संबंधित विभागों के माध्यम से कार्रवाई करवाने का भरोसा दिलाया।

एसआईआर पर कुछ दल लाभ के लिए फैला रहे भ्रम

कार्यक्रम में हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन मोहनलाल बड़ौली ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चल रही चर्चाओं पर कहा कि चुनाव प्रक्रिया और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल राजनीतिक लाभ के लिए भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। देश में शांति, सामाजिक सौहार्द और लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। लोग अपनी लोकतांत्रिक शक्ति का जिम्मेदारी से उपयोग करें, राष्ट्रहित को प्राथमिकता दें और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

न्यूज डायरी

पौधे रोपकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश



सोनीपत। जनहित अभियान फाउंडेशन की ओर से रविवार को विश्वकर्मा पार्क में पौधरोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान फलदार व छायादार प्रजातियों के 15 पौधे लगाए गए। फाउंडेशन के अध्यक्ष नरेंद्र हुड्डा ने जामुन, बेलगिरी और आंवला के पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा बनाए रखने के लिए पौधरोपण जरूरी है। केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल करना भी आवश्यक है, ताकि वह विकसित होकर पेड़ बन सकें। उन्होंने लोगों से अपील की, कि पौधरोपण अभियान को जनांदोलन बनाएं और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ें। इस दौरान पूर्ण सिंह, बिल्लू पांचाल, मनोनीत पार्षद चरण सिंह जोगी, रविंद्र हुड्डा, प्रवीण दहिया, जग्गू, सत्यवान, विकास दहिया, नील, अर्जुन हुड्डा, युग्म दहिया मौजूद रहे।

अमित रोहिला पेंटिंग में रहे अव्वल



खरखौदा। समग्र शिक्षा के तत्वावधान में जिला मुख्यालय पर जिला स्तरीय रंगोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सोनीपत जिला के सभी खंडों से प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में खरखौदा खंड के राजकीय माध्यमिक विद्यालय पिपली में कला अध्यापक (टीजीटी) के पद पर कार्यरत अमित रोहिला ने शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय व खंड का नाम रोशन किया। अमित रोहिला ने पेंटिंग (2 डी) में प्रथम स्थान और शास्त्रीय संगीत गायन में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष आयोजित प्रतियोगिता में भी उन्होंने इन्हीं दो विधाओं में समान स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था। इस वर्ष भी अपनी उपलब्धि को दोहराते हुए उन्होंने लगातार दूसरे साल उक्त मुकाम हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार और शिक्षा विभाग ने हर्ष व्यक्त किया है।



एनसीसी ने निकाली टीबी मुक्त भारत जागरूकता रैली

खरखौदा। प्रताप सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, खरखौदा के एनसीसी कैडेट्स ने टीबी मुक्त भारत जन-जागरूकता अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली। संस्थापक सतप्रकाश नम्बरदार व विद्यालय की प्राचार्य दया दहिया ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। इस रैली में जूनियर एवं सीनियर डिवीजन के एनसीसी कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्राचार्या दया दहिया ने कहा कि टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जनभागीदारी, जागरूकता और समय पर उपचार बेहद जरूरी हैं। इस अवसर पर एनसीसी अधिकारी ऋषि कुमार मौजूद रहे।



कार्यकर्ताओं का प्यार मेरी असली राजनीतिक पूंजी : कुलदीप

सोनीपत वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि राजनीति में पद और सत्ता से बढ़कर कार्यकर्ताओं का प्यार, विश्वास और सम्मान होता है। पद आते-जाते रहते हैं, लेकिन संघर्ष और समर्पण से बने रिश्ते जीवनभर कायम रहते हैं। इतिहास केवल उनका नहीं लिखा जाता, जो सत्ता में रहे, बल्कि इतिहास उनका भी लिखा जाता है, जिनके साथ लोग सत्ता के बिना भी सीना तानकर खड़े रहे। इस दौरान कार्यक्रम आयोजक एडवोकेट दिनेश अत्री, विकास त्यागी, डब्बू हरिओम शर्मा, मोनू पंडित राठधना, सौरभ जैन, मोनू प्रधान सब्जी मंडी, अनुराग खत्री, रमेश लाखा, सुरेंद्र भारद्वाज मौजूद रहे।

भगवान शिव के 8वें स्थापना दिवस पर किया हवन

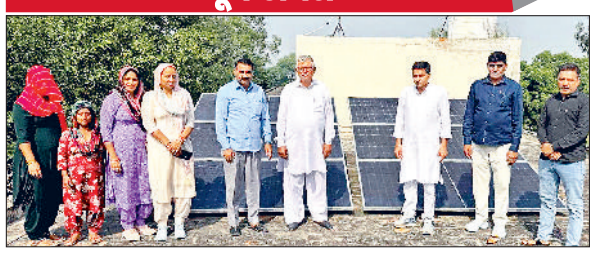
गोहाना। शहर की उत्तम नगर की गली नंबर एक में सेन धर्मशाला में स्थित भगवान शिव के 8वें स्थापना दिवस पर रविवार को शरद पूर्णिमा पर हवन हुआ। पूरे विधि-विधान से यह हवन मंदिर के पुजारी सोनू शांडिल्य ने करवाया। मार्गदर्शन इस मंदिर के निर्माण में मुख्य भूमिका निभाने वाले सोमपाल चौहान ने किया। मुख्य यजमान उनके बेटे विजय चौहान और बहू सुमन चौहान रहे। सोमपाल चौहान प्रगतिशील पिछड़ा समाज महासभा के वित्तीय सचिव हैं। हवन में आहुति सत्य नारायण शर्मा, सुभाष भट्टी, प्रो. शमशेर भंडेरी, शेर सिंह बेडवाल, कुलदीप शर्मा, ओम प्रकाश शास्त्री, सुरेश भगत, बबलू सेन, राजपाल कश्यप व राजेंद्र जांगड़ा ने भी डाली।

सूर्या फाउंडेशन में आदर्श गांव योजना के तहत दक्षता वर्ग का आज होगा समापन



खरखौदा। सूर्या फाउंडेशन आदर्श ग्राम योजना के पूर्णकालिक 35 कार्यकर्ताओं का झिंझोली में त्रैमासिक समीक्षा बैठक हुई। जबकि आगामी कार्य योजना को लेकर के 5 दिवसीय बैठक का शुभारंभ 22 अक्टूबर को हुआ था। समापन 26 अक्टूबर को सूर्या फाउंडेशन के चेयरमैन पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल के आशीर्वचन से होगा। इस बीच बैठक में 1 जुलाई से 20 अक्टूबर तक हुए कार्यों की रिपोर्टिंग की गई। जिसमें मुख्य रूप से जुलाई और अगस्त माह में हुए वृक्षारोपण महा अभियान और जल संरक्षण, सितंबर में चलाए गए सेवा संकल्प अभियान एवं अक्टूबर में नवरात्र के अवसर पर आयोजित की गई ग्राम गौरव मिला आदि का समीक्षात्मक रिपोर्टिंग हुई। बैठक के पहले दिन सूर्य रोशनी काशीपुर प्लांट प्रमुख शुभम चमोली ने जापानी मैनेजमेंट से कार्यकर्ताओं को अवगत कराया, कि किस प्रकार से हम जापानी मैनेजमेंट के माध्यम से अपने सामाजिक कार्यों को और बेहतर ढंग से कर सकते हैं। दूसरे दिन का पहला सत्र राहुल राष्ट्रीय स्वाहा के एडिटर एक प्रखर वक्ता एवं कवि के द्वारा स्वॉट एनालिसिस के बारे में जानकारी दी गई कि किस प्रकार से हम अपने कार्यों का स्वयं आकलन करें और एक-एक सीढी आगे बढ़ते हुए और खुद को कैसे हम बेहतर कर सकते हैं। अगले तीन दिन में आगामी कार्यक्रमों की प्लानिंग पर चर्चा की जा रही है। जैसे 31 अक्तूबर राष्ट्रीय एकता दौड़, स्पोर्ट्स कंपटीशन जो कि 1 दिसंबर से 12 जनवरी 2027 तक संचालित रहेगा।

न्यूज डायरी



स्कूल में लगवाया 5 किलोवाट का सोलर पैनल

गोहाना। ग्राम पंचायत जागसी द्वारा गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में 5 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया गया। यह पैनल लगवाने के लिए पंचायत ने 2 लाख 20 हजार रुपये खर्च किए। प्राथमिक विद्यालय के इंचार्ज रविंद्र सिंह के अनुसार ग्राम पंचायत द्वारा उनके अनुरोध को स्वीकार करते हुए सरपंच रमेश सहरावत द्वारा सोलर पैनल लगवाया गया है। सोलर पैनल लगाने से विद्यालय का कार्य सुचारू रूप से होगा। अब बिजली के अभाव में विद्यार्थियों की पढ़ाई भी बाधित नहीं होगी। डीडीओ जसबीर सिंह, शिक्षक रमेश सहरावत, राजेश कुमार, रमेश, सुनीता, सीमा, मीनू व गुड्डी देवी ने इस पुनीत कार्य के लिए ग्राम पंचायत का आभार व्यक्त किया।

हार्मोन परिवर्तन स्वाभाविक क्रिया : डॉ. कविता



गोहाना। गीता विद्या मंदिर, गोहाना में रविवार को विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नागरिक अस्पताल से महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. कविता ने छात्राओं को किशोरावस्था में होने वाले हार्मोन परिवर्तनों के विषय में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य अश्विनी कुमार ने की। उन्होंने विशेष रूप से बालिकाओं को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने, संतुलित आहार लेने तथा आवश्यक सावधानियां बरतने के बारे में समझाया। उन्होंने बताया कि इस किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तन स्वाभाविक हैं तथा इनके प्रति जागरूक रहना आवश्यक है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सोनिका का विशेष सहयोग रहा।

रंगोली व पोस्टर से नशामुक्त समाज का दिया संदेश



गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि) के गांव भैंसवाल कलां स्थित साउथ कैंपस के फार्मेसी विभाग की रामाबाई छात्रावास में रविवार को नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम फार्मेसी विभाग की चेयरपर्सन एवं डीन प्रो. नीलम के मार्गदर्शन में तथा छात्रावास प्रभारी डॉ. मीनू रानी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। जागरूकता कार्यक्रम नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान: 2026 के अंतर्गत आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने रंगोली एवं पोस्टर निर्माण गतिविधियों के माध्यम से नशा मुक्त युवा और स्वस्थ भारत का संदेश दिया। छात्राओं ने अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों के जरिए मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक एवं मानसिक दुष्प्रभावों, नशे की लत से बचाव तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया। प्रो. नीलम और डॉ. मीनू रानी ने छात्राओं को नशे से दूर रहने, स्वस्थ आदतें अपनाने और अपने परिवार एवं समाज में भी नशा मुक्ति का संदेश फैलाने के लिए प्रेरित किया। रामाबाई छात्रावास की वार्डन निर्मला एवं छात्रावास के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

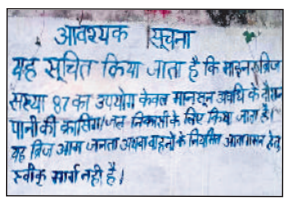
सोनीपत-गन्नौर रोड से राजलू गढ़ी तक सीधी कनेक्टिविटी के लिए पीडब्ल्यूडी ने रेलवे अधिकारियों को लिखा पत्र

■ अनुमति मिलने के बाद जल्दी होगा रेलवे अंडरपास का स्थायी निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

सोनीपत-गन्नौर रोड रोड को गांव राजलू गढ़ी तक सीधी सड़क कनेक्टिविटी का मामला अब रेलवे अधिकारियों तक पहुंच गया है। लोक निर्माण विभाग (भवन एवं सड़कें) के कार्यकारी अभियंता, प्रांतीय मंडल नंबर-11, सोनीपत ने इस मांग पर आवश्यक कार्रवाई के लिए उत्तर रेलवे के अधिकारियों को पत्र भेजा है। पत्र में दिल्ली-अंबाला रेलवे लाइन को पार करते हुए सीधा संपर्क मार्ग बनाने की जांच का अनुरोध किया गया है। जिला शिकायत शिकायत निवारण समिति के सदस्य त्रिलोक चंद शर्मा राजलू गढ़ी ने जिला प्रशासन को पत्र देकर विभिन्न जनसमस्याओं और मांगों पर कार्रवाई की मांग की थी। इस पर उपायुक्त कार्यालय ने संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इन्हीं मांगों में राजलू गढ़ी तक सीधी कनेक्टिविटी उपलब्ध करवाने का मुद्दा भी शामिल था। लोक निर्माण विभाग ने रेलवे अधिकारियों को भेजे पत्र में बताया कि वर्तमान में सोनीपत से राजलू गढ़ी तक पहुंचने के लिए सोनीपत-गन्नौर सड़क मार्ग का उपयोग किया जाता है। प्रस्तावित स्थान पर एक छोटा अंडरपास या जल निकासी मार्ग मौजूद है, जिसका उपयोग मुख्य रूप से पानी की निकासी के लिए होता है। फिलहाल यहां से स्थानीय हल्के वाहनों की आवाजाही होती है। पत्र में विभाग ने स्पष्ट किया कि दिल्ली-अंबाला रेलवे लाइन रेलवे अधिकारियों के नियंत्रण में है। ऐसे में रेलवे लाइन को पार करते हुए सीधा मार्ग बनाने की तकनीकी व्यवहार्यता की जांच रेलवे विभाग द्वारा की जानी आवश्यक है।





विभाग का प्रयास राजलू गढ़ी को मुख्य मार्ग से मिले कनेक्टिविटी : एसडीओ

विभाग ने रेलवे को पत्र भेजा है। अब रेलवे अंडरपास खुद बनाता है तो ठीक है। अगर बनाने की अनुमति दे देता है, तो इसकी अनुमति हरियाणा सरकार से लेकर इसका बजट मिल जाएगा। बजट मिलने के बाद सड़क एवं भवन निर्माण विभाग अंडरपास का निर्माण करने के साथ राजलू गढ़ी गांव को सोनीपत गन्नौर मार्ग से कनेक्टिविटी दे देगा।

रेलवे अधिकारियों के संज्ञान में मामला जल्दी मिलेगी अनुमति : त्रिलोकचंद शर्मा

जिला कष्ट निवारण समिति के सदस्य त्रिलोकचंद शर्मा ने बताया कि मुख्य मार्ग से कनेक्टिविटी के लिए वे कई बार रेलवे के डीआरएम से भी मिल चुके हैं। जल्दी ही उम्मीद है कि रेलवे से कनेक्टिविटी के लिए अंडरपास की अनुमति मिल जाएगी।

विद्यार्थियों ने इमैजिनेरियम-2026 में देशभक्ति की भावना को किया प्रदर्शित



सोनीपत। ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल (जी-3) के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और देशभक्ति की भावना का शानदार प्रदर्शन करते हुए इमैजिनेरियम-2026 में आयोजित अंतर विद्यालय देशभक्ति समूह गान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में छठी से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने अपनी मधुर आवाज, शानदार प्रस्तुति और देशभक्ति से ओतप्रोत गायन के माध्यम से सभी को प्रभावित किया। स्कूल के चेयरमैन सुधीर जैन, डायरेक्टर ध्रुव जैन, प्राचार्य गीता चोपड़ा ने विद्यार्थियों का स्वागत कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। चेयरमैन सुधीर जैन ने बताया कि इमैजिनेरियम-2026 के अंतर्गत अंतर विद्यालय देशभक्ति समूह गान प्रतियोगिता का आयोजन ऋषिकुल विद्यापीठ में हुआ। जिसमें जी-3 स्कूल के साकेत, मोक्ष, पीयूष, मनी, भूमिका, सानवी, प्राची, आयुष, अक्षित व रौनक ने हिस्सा लेकर पहला स्थान हासिल किया। प्राचार्य गीता चोपड़ा ने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत और सामूहिक प्रयास को देते हुए संगीत शिक्षिका प्राची को भी बधाई दी। इस दौरान नीरजा, गीता राणा, मोनिका, नमिता, मधु, मीनाक्षी, महक, सुविधा, निशा, राखी, योगिंद्र, खेल प्रभारी संजीत मौजूद रहे।

साप्ताहिक अभियान में विभिन्न किस्मों के 28 पौधे रोपे



गोहाना। समाज कल्याण संगठन द्वारा रविवार को पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पौधरोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान कुल 28 नए पौधे लगाए गए जिनमें नीम, जामुन, पापड़ी व जंगली जलेबी के पौधे शामिल हैं। पौधों की उचित देखभाल के लिए पानी देने तथा निराई-गुड़ाई का कार्य भी किया गया। अभियान के दौरान एक दुकानदार द्वारा पेड़ को क्षतिग्रस्त किए जाने का मामला सामने आया, जिस पर उसके खिलाफ वन अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज करवाई गई। संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने आम नागरिकों को पेड़ों के महत्व के बारे में जागरूक किया तथा बताया कि पेड़ हमारे मित्र हैं और जीवनदायी हैं। पेड़ हमें शुद्ध वायु प्रदान करने के साथ-साथ पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जांगड़ा नागरिकों से अपील की कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित बनाने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाएं और केवल पौधारोपण तक ही सीमित न रहें, बल्कि उनकी नियमित देखभाल भी करें। इस अवसर पर संस्था के सदस्य मनोज कुमार, सुनील, अभिमन्यु शर्मा, हरीश पंचाल, डॉ. विजेंद्र, सुरेश कुमार, प्रवीण, बलजीत जांगड़ा व जगदीश अस्सीवाल उपस्थित रहे।

भक्ति

श्री राम परिवार, सोनीपत ने सेक्टर-15 स्थित जन सेवा जागृति मंच में किया श्री सुंदरकांड पाठ

रामकथा में सुनाया श्री रामचरित मानस का युद्ध लंकाकाण्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

श्री राम परिवार, सोनीपत ने केसी गुप्ता के सहयोग से सेक्टर-15 स्थित जन सेवा जागृति मंच में श्री सुंदरकांड पाठ, हरिनाम संकीर्तन एवं रामकथा का आयोजन किया। ओमप्रकाश अरोड़ा ने कथा के माध्यम से श्री रामचरित मानस के मुख्य युद्ध लंकाकाण्ड का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि लंका के विनाश और रावण की मृत्यु की पूर्वसूचना सुंदरकाण्ड में ही मिल जाती है। त्रिजटा नामक राक्षसी जब सीता को अपना स्वप्न सुनाती है, तो वह लंका के लिए आने वाली कालरात्रि का ही संकेत करती है अर्थात सपनें बानर लंका जारी। जातुधान सेना सब मारी। रामकथा सुनाते हुए ओमप्रकाश अरोड़ा ने बताया कि लंकाकाण्ड के घोर युद्ध के समय जब रावण की मायावी और आसुरी सेना चारों तरफ हाहाकार मचाती है, तो गोस्वामी ने उस दृश्य को भीषण अंधकारमयी रात की तरह चित्रित किया है। जब मेघनाद, कुंभकर्ण और स्वयं रावण अपनी आसुरी शक्तियों का प्रदर्शन करते हैं, तो आकाश में खून, पत्थर और जलती हुई हड्डियों की वर्षा होने लगती है। यह दृश्य वानर सेना के लिए किसी काल की रात से कम नहीं था। दूसरी ओर जब लक्ष्मण और श्रीराम अपने बाण छोड़ते हैं, तो वह दृश्य शत्रुओं के लिए साक्षात काल की रात्रि बन जाता है। मानस में वर्णन है कि लक्ष्मण का क्रोध शत्रुओं के लिए प्रलयकाल की अग्नि और मृत्यु की रात के समान है। रामचरितमानस के अनुसार रावण इतना शक्तिशाली था कि उसने स्वयं काल (समय/मृत्यु) को भी बंदी बना लिया था। लंका में काल की स्थिति एक कैदी जैसी थी, लेकिन जब विभीषण श्रीराम की शरण में जाते हैं और रामजी लंका पर चढ़ाई करते हैं, तो वही काल रावण के अहंकार को लीलने के लिए स्वतंत्र हो जाता है। रावण के अंत के समय को गोस्वामी ने एक ऐसी अपरिवर्तनीय रात्रि कहा है, जिसमें अधर्म का सूरज हमेशा के लिए डूब जाता है।



सोनीपत। सोनीपत के सेक्टर-15 स्थित जन सेवा जागृति मंच में आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम में मौजूद श्रद्धालु। **फोटो : हरिभूमि**

ये मौजूद रहे

इस अवसर पर पवन सहगल, सूरजकांत, राकेश बहल, ललित बत्रा, यशपाल, महेश पांडे, नंदकिशोर, भोजदत्त, जितेंद्र, रामनिवास, मुकेश आनंद, मेहर चंद, दिनेश, महेश तनेजा, विजय, मनोज थरेजा सहित काफी श्रद्धालु मौजूद रहे।

हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल किया प्रभु का गुणगान



सोनीपत। इस्कॉन प्रचार समिति, सोनीपत की ओर से शरद पूर्णिमा के अवसर पर रविवार को काठ मंडी क्षेत्र में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल प्रभु गुणगान किया गया। प्रभातफेरी की शुरुआत सुबह गांधी नगर स्थित शिव मंदिर से तुलसी पूजन व दीपदान के साथ की गई। इसके बाद प्रभातफेरी शिव मंदिर वाली गली, आरे वाली गली, आर्य नगर होते हुए वेस्ट रामनगर में एचजी शालिग्राम दास के आवास पर संपन्न हुई। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने प्रभातफेरी का स्वागत किया। समिति सदस्यों की ओर से प्रसाद वितरण किया गया। रघु कुमार दास ने बताया कि कार्तिक मास शुरू होने से पहले समिति ने हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी की शुरुआत की है। इस दौरान सीए कृष्ण कुमार गर्ग, शांत नरसिंह दास, भागवत तत्व दास, मास्टर जगदीप पांचाल, जयभगवान, श्याम सिंह रावत, सुप्रसाद हरिदास, जयप्रकाश सहित काफी श्रद्धालु मौजूद रहे।

खबर संक्षेप



जवानों को नेशनल पुलिस म्यूजियम का कराया भ्रमण

सोनीपत। शहीद पुलिसकर्मियों के अद्वितीय बलिदान को नमन करने व उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने के उद्देश्य से सोनीपत पुलिस के 26 जवानों ने रविवार को नेशनल पुलिस म्यूजियम, नई दिल्ली का दौरा किया। इस दौरान जवानों के दल का नेतृत्व भिलाई निरीक्षक जसमेर, लाइन अफसर उप निरीक्षक कुलदीप सिंह ने किया। भ्रमण का मुख्य उद्देश्य पुलिस जवानों में देशभक्ति, सेवा भावना, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा के प्रति समर्पण की भावना को और अधिक मजबूत करना रहा। नेशनल पुलिस म्यूजियम के भ्रमण के दौरान पुलिसकर्मियों ने देशभर के वीर पुलिस शहीदों के जीवन, उनके योगदान और अदम्य साहस की गाथाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। साथ ही उन्होंने भारतीय पुलिस सेवा के गौरवशाली इतिहास, विभिन्न राज्यों की पुलिस की उपलब्धियों, देश की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिसकर्मियों के योगदान को करीब से जाना।

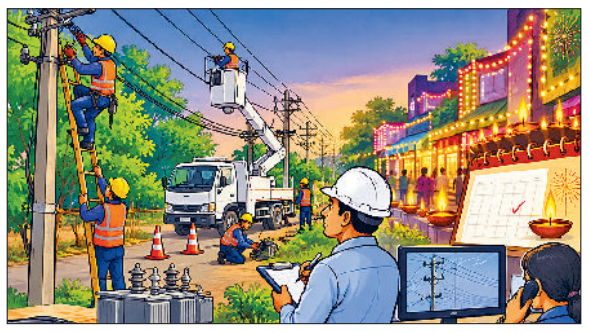
सतीश गोयल गोशाला के पुनः अध्यक्ष चुने

गोहाना। सतीश गोयल मतदान से हुए चुनाव में रविवार को पुनः श्री गोपाल कृष्ण गोशाला के अध्यक्ष चुने गए। कुल 11 पदों में से 8 पदों के लिए पहले सर्वसम्मति हो गई थी। बचे तीन पदों में से अध्यक्ष सतीश गोयल के साथ उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह तथा सचिव पवन कुमार बने। आरओ और सेवानिवृत्त प्राचार्य सुशील बंसल के अनुसार कुल 28 वोट डाले गए। अध्यक्ष पद के लिए सतीश गोयल को 20 और घनश्याम तायल को 8 वोट प्राप्त हुए। गोयल ने तायल को 12 वोट से हरा दिया। उपाध्यक्ष पद के लिए एक वोट रद्द हो गया। वैध 27 वोटों में से राजेंद्र सिंह को 15 और उनके प्रतिद्वंद्वी जयभगवान को 12 वोट मिले। इस तरह से राजेंद्र सिंह तीन वोट से जीत गए। इसी क्रम में सचिव पद के लिए पवन कुमार को 16 और राम कंवार गर्ग को 12 वोट मिले। ऐसे में पवन कुमार 4 वोट से विजयी घोषित कर दिए गए।

त्योहार के दौरान बिजलीकर्मियों की छुट्टियां रद्द, शिफ्टों में लगेगी ड्यूटी

दीपावली पर निर्बाध बिजली के लिए निगम करेगा 600 फीडरों की मरम्मत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत



त्योहारी सीजन में दीपोत्सव को लेकर बिजली वितरण निगम ने बाजारों के साथ घरों को जगमग रखने के लिए अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। बिजली व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए कर्मचारियों की छुट्टियों को रद्द कर दिया है। हालांकि आपातकालीन स्थिति में कर्मियों को अवकाश देने की छूट रहेगी। इसके अलावा निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बिजली निगम की ओर से करीब 600 फीडरों की मरम्मत का काम तेज करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत एचटी और एलटी लाइनों की मरम्मत, जर्जर तारों को मजबूत करने, केबल बदलने, जंपर और फ्यूज दुरुस्त करने के साथ जरूरत के अनुसार नए ट्रांसफार्मर भी लगाए जाएंगे। उच्च अधिकारियों की मानें, तो धनतेरस से लेकर भैया दूज तक दीपोत्सव के दौरान बिजली आपूर्ति सुचारु रखने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की शिफ्टों में ड्यूटी लगाई जाएगी। इससे पहले निगम की टीमें फील्ड में उतरकर बिजली लाइनों, ट्रांसफार्मरों और अन्य उपकरणों की स्थिति को जांचेंगी। लाइटों के आसपास लगने वाली पेड़ों की शाखाएं भी काटी जाएंगी, जो बिजली की लाइनों के संपर्क में आकर आपूर्ति बाधित कर सकती हैं। इसके लिए हड़ताल के बाद सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को काम पर जुटने की हिदायत दी गई है, ताकि लोगों को त्योहारी सीजन में बिजली को लेकर अव्यवस्था का सामना न करना पड़े।

अधिकारियों को आदेश जारी

दीपावली पर जिले को रोशन करने के लिए पहले ही फीडर लाइनों की मरम्मत करवाने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए अधीनस्थ अधिकारियों को आदेश जारी कर दिए गए हैं। फीडर लाइनों की मरम्मत का कार्य सोमवार से शुरू कर दिया जाएगा।

-मनिंद्र कादियान, अधीक्षण अभियंता, बिजली निगम, सोनीपत

काम पूरा कर रद्द करवाना होगा परमिट

दीपावली के दौरान बिजली लाइनों पर सामान्य मरम्मत कार्यों के लिए कट और परमिट नहीं देने की योजना है, ताकि उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली मिल सके। हालांकि आपात स्थिति में लाइन या ट्रांसफार्मर की मरम्मत के लिए संबंधित लाइनमैन और सहायक लाइनमैन को एसडीओ या एक्सईएन से मंजूरी लेनी होगी। सुरक्षा के मद्देनजर एक साथ दो से अधिक लाइनों पर परमिट जारी नहीं किए जाएंगे। कर्मचारियों को निर्धारित समय में काम पूरा कर परमिट रद्द करवाना होगा।

जगमग गांवों में आपूर्ति पर भी रहेगा ध्यान

शहरों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति की जा रही है, जबकि जगमग गांवों को लाइन लॉस के आधार पर 16 से 22 घंटे तक बिजली मिलती है। त्योहार के मद्देनजर ग्रामीण क्षेत्रों में भी बिजली व्यवस्था सुचारु रखने के लिए संबंधित लाइनों और उपकरणों की जांच की जाएगी। निगम का लक्ष्य है कि दिवाली पर घरों, बाजारों और प्रतिष्ठानों में रोशनी बनी रहे और तकनीकी खराबी के कारण लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

11 केवी लाइनों पर रहेगी विशेष निगरानी

अधिकारियों के अनुसार 6 से 10 नवंबर तक घरेलू बिजली आपूर्ति से जुड़ी 11 केवी लाइनों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। निगम अधिकारियों का दावा है कि त्योहार के दौरान उपभोक्ताओं को बिजली कटौती से बचाने के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए जा रहे हैं। शहर में पहले से 24 घंटे बिजली आपूर्ति का प्रावधान है, लेकिन मरम्मत कार्यों के लिए परमिट और अन्य तकनीकी कारणों से कई बार सप्लाई प्रभावित होती है। ऐसे में दीपावली से पहले जरूरी काम पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है।

भगत फूल सिंह महिला विवि की 3455 छात्राओं को प्रदान की जाएंगी डिग्रियां



गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि) में 26 अक्तूबर को चतुर्थ दीक्षांत समारोह में 3455 छात्राओं को डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। इनमें 196 पीएचडी शोधार्थी, 2215 स्नातक (यूजी) छात्राएं तथा 1044 स्नातकोत्तर (पीजी) छात्राएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 88 छात्राओं को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जाएगा। विवि के परीक्षा नियंत्रक डॉ. नरेंद्र हुड्डा के अनुसार दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों की शैक्षणिक यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह उनके वर्षों के परिश्रम, लगन और शैक्षणिक उपलब्धियों का प्रतीक है। समारोह के आयोजन से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, ताकि कार्यक्रम का आयोजन सुव्यवस्थित एवं सफल ढंग से किया जा सके। दीक्षांत समारोह में उपाधियां प्राप्त करने वाली छात्राओं के लिए यह गौरवपूर्ण अवसर होगा। उन्होंने कहा कि उपाधि प्राप्त करना छात्राओं के जीवन में एक नए अध्याय की शुरूआत है, जो उन्हें भविष्य की जिम्मेदारियों और चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित करेगा। रविवार को विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने एग्जीक्यूटिव कौंसिल, अकादमिक कौंसिल और यूनिवर्सिटी कोर्ट के सभी सदस्यों के साथ रिहर्सल में भी भाग लिया।

सरकार सैनिकों के सम्मान को प्रतिबद्ध : डॉ. अरविंद

गोहाना। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों की बदौलत ही हम अपने घरों में चैन की नींद सो पाते हैं। सैनिकों का साहस, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण पूरे समाज के लिए प्रेरणा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार सैनिकों, पूर्व सैनिकों और शहीदों के परिजनों के सम्मान के प्रति प्रतिबद्ध है।



सरकार उनके साथ मजबूती से खड़ी है। रविवार को डॉ. शर्मा शहर में महम मार्ग स्थित एक निजी पैलेस में पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों के साथ शहीदों के परिजनों ने भी भाग लिया।कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों ने 8वें वेतन आयोग सहित अपनी विभिन्न मांगों को कैबिनेट मंत्री के समक्ष रखा। मंत्री बोले कि देश की सेवा में जीवन का महत्वपूर्ण समय समर्पित करने वाले पूर्व सैनिक सम्मान के हकदार हैं।

वोट बचाओ देश बचाओ' अभियान

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत



कांग्रेस के 'वोट बचाओ देश बचाओ' अभियान की प्रभारी नीतू वर्मा सोइन ने चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला। मॉडल टाउन स्थित शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान के कार्यालय में पत्रकारवार्ता के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि निष्पक्ष चुनाव प्रणाली पर लगातार प्रहार किया जा रहा है। उनके साथ शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान व ग्रामीण जिला अध्यक्ष संजीव दहिया भी मौजूद रहे। नीतू वर्मा सोइन ने कहा कि पहले ईवीएम को लेकर संशय था और अब एसआइआर प्रक्रिया के नाम पर मतदाता सूचियों में भारी फेरबदल किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वैध मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं और फर्जी नामों को सूची में जोड़ा जा रहा है। उन्होंने महाराष्ट्र, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के विधानसभा चुनावों का हवाला देते हुए कहा कि कम अंतर वाली सीटों पर परिणाम प्रभावित किए गए। उन्होंने चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर मनमानी कार्यशैली का आरोप लगाया। उन्होंने मांग की, कि निष्पक्षता बनाए रखने के लिए ज्ञानेश कुमार को तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देना चाहिए। जहां संविधान की प्रति दिखाते हुए उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 326 के तहत 18 वर्ष से ऊपर के हर नागरिक को मताधिकार प्राप्त है। एक नवंबर को देशभर से लाखों लोग दिल्ली के रामलीला मैदान में एकत्र होकर 'वोट बचाओ देश बचाओ' मार्च में हिस्सा लेंगे। 25 नवंबर तक ब्लॉक, गांव और वार्ड स्तर पर चौपालें लगाकर उन मतदाताओं की पहचान की जाएगी, जिनके वोट काटे या बदले गए हैं। 25 व 26 नवंबर को 'दिल्ली चलो यात्रा' चंडीगढ़ से हरियाणा के कार्यकर्ता वाहनों के काफिले के साथ दिल्ली कूच करेंगे।

व्यापारियों के नुकसान के आरोप को बताया भ्रामक

पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि दिल्ली में विरोध प्रदर्शनों से व्यापारियों को कोई नुकसान नहीं होता, बल्कि स्थानीय छोटे दुकानदारों, रेहड़ी-पटरी वालों और भोजनालयों का व्यापार बढ़ता है। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए ऐसे भ्रामक प्रचार करवा रही है। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष पुनीत राणा, जयवीर अंतिल, कांग्रेस कार्यालय प्रभारी जयवीर राठी, ऋतुराज सहित कई कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा व राष्ट्र निर्माण में युवा निभाएं जिम्मेदार भूमिका : मदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत



- विधायक ने 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत युवाओं से किया संवाद

भारतीय जनता पार्टी की ओर से चलाए जा रहे 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत सोनीपत के विधायक निखिल मदान ने सेक्टर-23 में युवाओं के साथ मुलाकात कर संवाद किया। उन्होंने लोकतंत्र की मजबूती, संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और देश के विकास में युवाओं की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए। विधायक निखिल मदान ने कहा कि लोकतंत्र भारत की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि भाजपा पार्टी का 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा के विषय पर जनसंवाद करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेदों का समाधान लोकतांत्रिक संवाद और संवैधानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से होना चाहिए। इस मौके पर काला पहलवान, संदीप मलिक, मनोज मलिक, सुरेंद्र श्योराण मौजूद रहे। निखिल मदान ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का उल्लेख करते हुए कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया में नागरिकों का विश्वास लोकतंत्र के महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से जुड़े विषयों पर युवाओं को जागरूक रहना चाहिए।

योग निरोगी जीवन जीने की देता है प्रेरणा : जैन

सोनीपत। नगर निगम मेयर राजीव जैन ने कहा कि स्वामी देवी दयाल, स्वामी रामलाल मूलखराज और सुरेंद्र देव की प्रेरणा से स्थापित योग अभ्यास आश्रम पिछले 75 वर्षों से 'योग अपनाए, रोग भगाए,' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का सराहनीय कार्य कर रहा है। आश्रम का उद्देश्य योग और आध्यात्मिक साधना के माध्यम से लोगों को निरोगी, स्वस्थ और सुखी जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है। रेलवे रोड स्थित योग अभ्यास आश्रम का 75वां वार्षिक उत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वामी देवी दयाल एवं अन्य संतों की आरती के साथ हुई। इसके बाद भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर सर्वकल्याण की कामना की गई। कार्यक्रम में मेयर राजीव जैन ने श्रद्धालुओं के साथ भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया और आश्रम की सेवाओं की सराहना की। राजीव जैन ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। इस अवसर पर गुरु स्वामी अमित देव, प्रधान महेश चंद्र गोयल, योगाचार्य मनीष शर्मा, योगाचार्य तनु, योगाचार्य कार्तिक राजेंद्र खुराना मौजूद रहे।



क्रिकेट के मैदान में उतरे युवा नशे से दूर रहने का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई



युवाओं को नशे से दूर रखकर खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मां का आंचल फाउंडेशन की ओर से कुंडली क्षेत्र में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया।

- मां का आंचल फाउंडेशन ने कुंडली में कराया टूर्नामेंट

टूर्नामेंट का शुभारंभ फाउंडेशन के चेयरमैन नितिन कौशिक, वार्ड-7 की पार्षद नीलम कौशिक और ग्रामीण प्रताप सिंह ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर किया। गांव के बुजुर्गों और अन्य दर्शकों ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में चेयरमैन व हरियाणा भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली और भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक भारद्वाज मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। इनके अलावा चेयरमैन शिमला देवी, कुंडली थाना प्रभारी रवि कुमार, पार्षद नीलम कौशिक और क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। समापन पर विजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। अन्य प्रतिभागी खिलाड़ियों को भी ट्रॉफी प्रदान कर उनका उत्साह बढ़ाया गया। फाउंडेशन के चेयरमैन नितिन कौशिक ने कहा कि युवाओं को सकारात्मक दिशा देना और कुंडली क्षेत्र को नशामुक्त बनाना संगठन का मुख्य उद्देश्य है। आयोजन को सफल बनाने में जय दादा भैया क्रिकेट टीम के विपिन खत्री, विक्रम पाल, पार्षद प्रदीप जैंत, रब्बो, भोली, सचिन, सुमित, संदीप, राहुल और अन्य साथियों का विशेष सहयोग रहा।

हत्या में संलिप्त तीसरा आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। सेक्टर-27 थाना की पुलिस टीम ने युवती की हत्या की घटना में संलिप्त तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान गांव मुरथल निवासी दीक्षांत के रूप में हुई। गिरफ्तार आरोपित को न्यायालय में पेश कर जमानत पर रिहा किया गया। पुलिस के अनुसार 14 अगस्त को दिल्ली के निहाल विहार निवासी मनीष ने सेक्टर-27 थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह तीन भाई और एक बहन है, जिसकी शादी जनवरी 2017 में पवन के साथ हुई थी। करीब चार साल पहले तलाक हो चुका है। उनकी बहन दिल्ली के तिलक नगर स्थित सेंट्रल अस्पताल में काम करती थी। 11 अगस्त को उनकी बहन दोपहर काम पर जाने के लिए घर से निकली थी। उसके बाद वह घर पर नहीं आई।

महर्षि वाल्मीकि को किया नमन



गोहाना। महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते गुरु और शिष्य।

गोहाना। गोहाना-सफीदों मार्ग पर स्थित सरस्वती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बिचपड़ी में महर्षि वाल्मीकि जयंती पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। समारोह में गुरु और शिष्यों ने बारी-बारी से महर्षि के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। विद्यालय के के प्राचार्य आशीष ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने सिखाया है कि मनुष्य कर्म से महान बनता है, जन्म से नहीं। उन्होंने विद्यार्थियों को महर्षि वाल्मीकि द्वारा बताए गए सत्य और मर्यादा के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। विद्यालय की अध्यापिका सविता पूनिया ने महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित महाकाव्य रामायण के महत्व और उसमें निहित आदर्शों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण कक्षा पहली की छात्रा जिया द्वारा महर्षि वाल्मीकि के जीवन पर भावपूर्ण कविता की प्रस्तुति रहा। इस अवसर पर इको सदन से मनजीत, दीपिका व प्रीति सहित अन्य स्टाफ सदस्य व विद्यार्थी मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 8295154800, 9653530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

भोड़वाला माजरी में 79वें वार्षिक निरंकारी संत समागम के दूसरे दिन दिए प्रवचन

आध्यात्मिक जागृति ही वास्तविक जीवन का आधार : सुदीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर





निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज ने कहा कि जागरूकता केवल बाहरी सजगता तक सीमित नहीं, बल्कि विचारों, व्यवहार और भावनाओं में भी चेतन रहना आवश्यक है। इसी आध्यात्मिक संदेश का आह्वान करते हुए माता सुदीक्षा महाराज ने 79वें वार्षिक निरंकारी संत समागम के दूसरे दिन उपस्थित विशाल मानव परिवार को संबोधित किया। भोड़वाला माजरी में आयोजित चार दिवसीय संत समागम में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु एवं भक्त एकत्रित हुए। विभिन्न भाषाओं एवं संस्कृतियों से सम्मिलित इस विशाल मानव परिवार का प्रेमपूर्ण मिलन सौहार्द, सद्भावना और विश्वबंधुत्व की अनुपम छवि प्रस्तुत कर रहा है। समागम का वातावरण आध्यात्मिक चेतना, भक्ति और आपसी प्रेम के भावों से परिपूर्ण है। सतगुरु माता ने आध्यात्मिक 'जागृति' के वास्तविक भाव को स्पष्ट करते हुए फरमाया कि जागरूकता केवल बाहरी सजगता तक सीमित नहीं, बल्कि विचारों, व्यवहार और भावनाओं में भी चेतन रहना आवश्यक है।

निरंकारी प्रदर्शनी में दिखा ज्ञान और मानव कल्याण का प्रेरणादायी संगम

संत समागम में आधुनिक तकनीक, आकर्षक प्रकाश व्यवस्था एवं रचनात्मक प्रस्तुतियों से सुसज्जित निरंकारी प्रदर्शनी श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केन्द्र बनी रही। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं विभिन्न आयु वर्गों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इसे तीन प्रमुख भागों में विभाजित किया गया। तीन विशेष मॉडलों के माध्यम से समागम के मुख्य विषय 'जागृति' को दर्शाते हुए आत्मचिंतन, आध्यात्मिक समझ एवं सकारात्मक जीवन-दृष्टि अपनाने की प्रेरणा दी गई।

बाल प्रदर्शनी : यह प्रदर्शनी बच्चों के मानसिक, भावनात्मक एवं आध्यात्मिक विकास पर केंद्रित रही। रोचक प्रस्तुतियों के माध्यम से अच्छे संस्कारों, नैतिक मूल्यों एवं जीवनोपयोगी शिक्षाओं को अपनाने का संदेश दिया गया, ताकि बच्चे शिक्षा के साथ-साथ मानवीय मूल्यों को भी अपने जीवन में स्थान दे सकें।

एसएनसीएफ प्रदर्शनी : इस प्रदर्शनी में संत निरंकारी मिशन की सामाजिक कल्याण एवं समाज सुधार से जुड़ी गतिविधियों को दर्शाया गया। जिसमें रक्तदान, स्वास्थ्य सेवाओं, सामाजिक जागरूकता तथा सादे एवं सामूहिक विवाह जैसे प्रयासों के माध्यम से निःस्वार्थ सेवा, मानवता और समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाने की प्रेरणा प्रदान की गई।

डॉ. सुभाष शर्मा को डी.लिट की उपाधि की प्रदान



गन्नौर। गांव पुरखास के रहने वाले डा. सुभाष शर्मा को समाज सेवा, साहित्य सृजन, जनकल्याण और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय समारोह में डी.लिट की उपाधि से सम्मानित किया गया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय हिंदी विद्यापीठ के कुलपति इंदुभूषण मिश्र और पद्मश्री डा. अरविंद कुमार ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। डॉ. शर्मा विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान में उत्तर भारत के सेवा शिक्षा संयोजक हैं और पिछले 32 वर्षों से राष्ट्र सेवा में जुटे हैं। गत 24 मई को भी उन्हें इंटरनेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया था। डा. शर्मा ने यह सम्मान अपने गांव पुरखास की मिट्टी को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि समाज के प्रति प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है और अपनी योग्यता व क्षमता के अनुसार इसे निभाना चाहिए।